DEMOCRACY AND DEMOCRATIC VALUES ARE OUR WAY OF LIFE: LOK SABHA SPEAKER/लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्य हमारी जीवन प्रणाली हैं:लोक सभा अध्यक्ष

…

INDIA HAS BEEN THE GUIDING SPIRIT OF PARLIAMENTARY DEMOCRACY FOR OTHER COUNTRIES: LOK SABHA SPEAKER/भारत अन्य देशों के लिए संसदीय लोकतंत्र का मार्गदर्शक रहा है: लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES PARTICIPANTS OF THE 36TH PARLIAMENTARY INTERNSHIP PROGRAMME/लोक सभा अध्यक्ष ने 36वें संसदीय इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित किया

…

New Delhi 28 November 2022: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed the participants of the 36th Parliamentary Internship Programme organized by Lok Sabha Secretariat in Parliament House Complex, today.

The Parliamentary Internship Programme is being attended by 44 participants from 17 countries.

Speaking on this occasion, Shri Birla said that democracy and democratic values are our way of life. Observing that India, through its Constitution, has made democracy prosperous, Shri Birla mentioned that our traditions and culture follow democratic norms in all spheres of life. He also said that founding fathers of our Constitution decided on Parliamentary Democracy to guide the destiny of our

people as it is the best form of governance and since then India has been the guiding spirit of parliamentary democracy for other countries.

Referring to India's diversity, Shri Birla said that our diversity is our strength and our democracy thrives on this diversity. Our Constitution which is the largest written Constitution in the world, has held together India's diversity and democracy on the strength of its commitment to democratic ideals. He added that the smooth transfer of power in over 17 General Elections and more than 300 state elections reflects the strength of India's Parliamentary Democracy and its citizen centric Constitutional System.

Appreciating the Training Programmes organised by PRIDE, Shri Birla emphasized that learning is a lifelong endeavor and that the exchange of ideas and information along with active discussions lead to greater accountability and transparency in institutions. He added that debates and discussions help in ensuring that best practices relating to Governance and Parliamentary Systems are imbibed by all participants. In the context of Lok Sabha's record productivity, Shri Birla said the high level of debate and discussion in the Parliament has led to massive socio-economic transformation across the nation. Shri Birla urged the participants to share their experiences and best practices in their systems of governance so that the sharing of knowledge and information will further strengthen the democratic institutions.

Secretary General Lok Sabha Shri Utpal Kumar Singh delivered the Welcome Address and Joint Secretary in Lok Sabha Secretariat, Shri Siddharth Mahajan gave the Vote of Thanks.

नई दिल्ली 28 नवंबर 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन परिसर में लोक सभा सचिवालय द्वारा आयोजित 36वें संसदीय इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित किया।

संसदीय इंटर्नशिप कार्यक्रम में 17 देशों के 44 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्य हमारी जीवन शैली है। भारत ने अपने संविधान के माध्यम से लोकतंत्र की समृद्धि सुनिश्चित की है। श्री बिरला ने कहा कि हमारी परंपराएं और संस्कृति जीवन के सभी क्षेत्रों में लोकतांत्रिक मानदंडों का पालन करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि

हमारे संविधान के संस्थापकों ने हमारे लोगों की नियति का मार्गदर्शन करने के लिए संसदीय लोकतंत्र पर निर्णय लिया क्योंकि यह शासन का सबसे अच्छा रूप है और प्रारम्भ से ही भारत अन्य देशों के लिए संसदीय लोकतंत्र का मार्गदर्शक रहा है।

भारत की विविधता का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह विविधता ही हमारी ताकत है और हमारा लोकतंत्र इसी विविधता पर फल-फूल रहा है। दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान होने के साथ साथ भारतीय संविधान ने लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के बल पर भारत की विविधता और लोकतंत्र को साथ रखा है। उन्होंने कहा कि 17 से अधिक आम चुनावों और 300 से अधिक राज्यों के चुनावों में सत्ता का सुचारू हस्तांतरण भारत के संसदीय लोकतंत्र और इसकी नागरिक केंद्रित संवैधानिक प्रणाली की ताकत को दर्शाता है।

लोक सभा सचिवालय (प्राइड) द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सराहना करते हुए, श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षण-प्रशिक्षण एक आजीवन प्रयास है और विचारों और सूचनाओं के आदान-प्रदान के साथ-साथ सक्रिय चर्चा से संस्थानों में अधिक जवाबदेही एवं पारदर्शिता आती है। उन्होंने कहा कि विचार-विमर्श यह सुनिश्चित करता है कि शासन और संसदीय प्रणाली से संबंधित सर्वोत्तम प्रथाओं को सभी प्रतिभागी आत्मसात करें। लोक सभा की रिकॉर्ड उत्पादकता के संदर्भ में श्री बिरला ने कहा कि संसद में उच्च स्तर की बहस और चर्चा के कारण पूरे देश में बड़े पैमाने पर सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन हुआ है। श्री बिरला ने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे अपनी शासन प्रणाली में अपने अनुभवों और प्रथाओं को साझा करें ताकि ज्ञान और सूचना से लोकतांत्रिक संस्थाएं और मजबूत बनें।

इस अवसर पर महासचिव लोक सभा श्री उत्पल कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया और लोक सभा सचिवालय में संयुक्त सचिव श्री सिद्धार्थ महाजन ने धन्यवाद ज्ञापन किया।